



ॐ नमः श्रीवज्रसंघे नमः ॥

धनकलसया ध्यान ॥ ॐ नमः शिवाय
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥

ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥

ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥

361

ASHA

गा ॥ ॐ धर्मयुगि कंस
साव ॥ ॐ न धर्म न वन
य ॥ धर्म ॥ आ क न व न
॥ ॥ धीय स्वाहा ॥ ३

जा ॥ आ सा ॥ दु मि ॥
द वि सर्व सै य मि दा
द वि धीय मि य त न
ऊ ऊ ऊ मि या धर्म न ॥
जा ॥ ऊ ऊ ना जा म ह
वि वा च ॥ ऊ ऊ सै ध न
सै य दी ह ल या दा चानि
सि य लि वा लि न वि ग
ऊ ऊ ऊ ऊ मि द वि य
जा य ॥ धर्म ॥ आ क य

निरा श्रु क य द र्श ह
य दा ॥ ॥ ध न जा

॥ या ना र्थ ॥ धर्म न्यास
व मि य स्वाहा ॥ ३ ॥ पू

॥ ॐ धीय ल क्मी म हा
य की ॥ सर्व काम पु दा
मु रा ॥ ॥ ध न ऊ

॥ वै ध व र्म म हा वा
धि क ॥ ऊ ऊ को मि म
सै वि ना ॥ म हा वि रु ड
व न ॥ ऊ ऊ ऊ ऊ मि ना
हा म हा रु दा र्थ सै ह क
सि नि मि ना ॥ ॥ ध न

न ॥ या ना र्थ ॥ धर्म न्या

स॥ ॐ उ काय स्वाहा ॥ ३

॥ ॥ धन ॥ धृजा ॥

ॐ नमः ४ उ कृ स्व वाय
सर्व वि लरु उ संप न
नि नम मुने ॥ ॥

न ॥ ॥ ॐ नागया
र्य नि वि गद ९ सं सा
न म क वा स न ॥ ॥

क म व न ॥ या नाद्य ॥ य

वृ नाय नम स्वाहा ॥ अ

॥ व क काय ॥ क को त

म हा प्र मा ना ग म य ॥ सं

काय ॥ ॥ धन य

॥ ॐ नागया धम

म हा व ल लि ग म न च

ॐ उ कृ मि य स्वाहा ॥ ३

वा स्वा ॥ धृ नि ॥ ॥

१ उ कृ मि स द ह क

१ न मा मि उ कृ उ कृ

धन ॥ ना ग य स ॥ धम

सा ध ले ह क ल त्रा य

क ध व ल ध य १ व न

धन जाय ॥ धृ य ॥ आ

य ना स ॥ ॥ ॐ व

न नाय ॥ वा धु कि य

का य ॥ य मा ना ग म य ॥

म व पा ल ना ग ॥ कृ लि

जा ॥ वा स्वा ॥ धृ नि ॥

का नि द १ उ ल ध य

मि वि द्या ता १ ना ग

ब्रह्मज्ञानसमस्तं ॥
॥ ॐ नमो भगवते ॥ ब्र
ह्मज्ञानं ॥ कुरुवज्रा
ग ॥ रुमा ॥ धर्मवत्स
समस्तदकपूजा ॥
द्वय ॥ ॐ ॥ धर्म
उं नमः ॥ श्रीवज्रसत्त्व
कुरुभिस्तान् ॥ सैव
उं नमः ॥ श्रीवज्रसत्त्व
उनिवज्रसत्त्ववज्रव
विष्णु ॥ उं वज्रसत्त्व
य ॥ उं धर्मनामिष्ठा
द्वय ॥ उं नमो भगवते
॥ धर्मकुरुवज्रसत्त्व

॥ धर्म ॥ अलिद्वय ॥
विष्णुसाधन ॥ मिष्ठा
दि ॥ लला ॥ उदि
वज्र ॥ जाति ॥ कर्म ॥
धर्मकुरुवज्रसत्त्व
॥ ॐ ॥
य ॥ नमो भगवते ॥ अग्नि
वज्रसत्त्व ॥
यैव नमो भगवते ॥ उं नमः
भर्तु ॥ ॥ वज्रसत्त्व
॥ ॥ धर्मनामिष्ठा
न ॥ ॥ धर्मविष्ठा
यनधर्मिकलन ॥
नमो भगवते ॥ उं नमो भगवते

सकृद्विद्यावि
धर्मसंयवनाः
सोदा नयनं कजमा
तिथं वना कुरु
या ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ
दा ॥ ॐ कमा यथु ना
ववना यना गमिषु
यज का मिषु यने सा
मिषु न यसा दा ॥ ॐ
यगय सादा ॥ ॐ वायू
सादा ॥ ॐ ॐ सा न र

॥ धन ॥ यजा ॥

लयति शिवः वज्र
मिषा वाजः ॥ गम ॐ

ताः ॐ वक्रदवना व
विजिजागा दवाग
नस्यः सर्वविषय
रुट्खादा ॥ ॥ ॐ

मुने मिषु नि यसा
मिषु न यसा दा ॥ ॐ
ग यसा दा ॥ ॐ कव वा
दा ॥ ॐ ॐ न य प्रव ना
ने अ र वा क म य मि
व लु ना का मिषु न य
ता मिषु न यसा दा ॥

वा ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ
सा म हा व ल सर्वज क
दा य न न मुनी ॥ ॥

कथन ॥ स ॥ धा ॥ न ॥ अ
ता का मृदुति स्वाथे
द ग ॥ व स ॥ स ग स ग
रु ग स्वादा ॥ ॥ ध

जा ॥ का ल ॥ स्व सि
रु स र्व ग नृ नृ जि न
ना ॥ ध क्रा या वा क पा
१ द व ना दि स म ना सा
ल ज न य मि ता ना धा
जा ग र्क यु ॥ धा नि वि
जा ग र्क ज र्क ॥ ॥
म च य वा ल मृ जा ॥

॥ क च मृ वा वा स ॥ सि
नि वि य ॥ ॥ उं क
व क ॥ या ना र्क ॥ उं अ

म मा ग म धा ॥

वि क ल र्क ॥

न दा ॥ उं मृ मृ वा र्क र्क
न सि दा का का म ॥ मृ

वा क ॥ उं द र्क वा या
मु ना ध व ना ॥ वा ल य म

वा सा मु ना सि द व स ल
वा क र्क ना न चि ना ॥ स क

न न क्रा र्क ना यि ॥ मृ द
ज य उ ॥ ज ग ना र्क उ ॥

ध न र्क म स मि य न न ॥
॥ ध न ॥ मृ मि धा य न

ग य मि र्क र्क ॥ र्क ना मि
ल र्क र्क ॥ सि न वा ल य

र म स य व ल र्क वा य

॥ उं क

॥ सि

यान्न नया चाचमना

॥ संश्रवन्न न ह्यय
अस्वादा ॥ ॥ सा

सर्वपायविधिमाया
दा ॥ ॥ ६६ का प्र

महादान युवा कोल
ग्नय आदि यदि यीवि

व कलव वादना च दा
न द्रा कृत्वा अग्नि धाय

॥ धन अग्नि धाय
धन गा ना राव ॥ ॥

उत्तराङ्गा विनाग्निम
गवर्धुमक मूर्त्यै च

पूष्यै ॥ सर्ववन्द्य
मवाधल ॥ ॥ ७७ आय

मकूट धालिन ॥ व

घंशुनिच सादा ॥

॥ ॥ ७८ ह्रीं ना इम
दन माय ॥ ॥ ७९

रुस्मि कलहं रुदसा
वकाह का वाय ॥ ॥ ८०

स्वस्ति वाय ॥ ७९ अ
वा विषमदा शीय ॥ ८०

न जरी ॥ ८१ अग्नि या सि
उत्तराङ्गा ॥ ८२ सा दा ॥

न माय ॥ ८३ धन धा न
उत्तराङ्गा ॥ ८४ अ ३ वा

धार्वा का आ रुवै ॥ ८५
उत्तराङ्गा वामद मकूट ॥ ८६

मालि धली ॥ ८७ पिना
व रु नि ने ॥ ८८ अगा

असत्वा ले कट मी ॥

६

लिनीसमयागिति
महाहक ० दवता
गाहगिमहालक्ष्मि
हा ॥ ०० न न म हा
आ ३ ट कि ह ३ ॥
धमिने ॥ धन कस
॥ ३ अ म य आ
विममहाधायि ह व
सक ह व हा स य ह
आ ॥ ०० न न न म म
॥ ध न नि ना ज
॥ ३ अ म म न
य य न म स्वाहा ॥ ३
हा ॥ ३ ह ना म ना य
व हा य न म स्वाहा ॥
स्वाहा ॥ ३ म य चि

विश्व ॥ ३ न ह हि
ह वि ज स य म हि
स नि ह ना रु व स्वा
नाग्नि आ वा ह ॥ ३
॥ ध न व ज य धा
या ॥ ल य न दा य ॥
दि य डि या वि बा ६
क व वा रु ना य ० द
मिति ॥ ३ व ज न ज
या अ म य व स य ॥
॥ न ॥ आ या य ॥
म स्वा हा ॥ ३ व धा न
जा रा य दा य न म स्वा
न म स्वा हा ॥ ३ ह ना
३ द व म स्वा य न म
स्वे न म स्वा हा ॥ ३ म

कडि छा य न स स्वा
वासा ॥ वा कथा ॥

वद १ जा न वे द रु
स स ले १ स मि द्य स
न व ध वि ल दि व
या नि दू ज श्वे १ मि न
सि व ल ग न १ म रू
ग द न्द जू य १ क ल
न १ हि म ना द १ वि
हि री रु व रु य १ य

॥ धन ज ऊ मा न
य ॥ म न्क धा ॥

रु द् स्वा हा ॥ ॥

यै व म हा ल धू जा ॥

धन ज ऊ मा न ॥ कि

च क १ न स स्वा ल

दा ॥ ॥ धन मूर्ज १

उं अ मि भु क ति री
मा स न भु व भु वि न
व ल मू क १ वि ला
स क ल ध वा ला स १
पै वा नू लू य १ भि व
धा न च म र य म्मा
लि न व य र व जिः
हा न न्ना न जू य १ नि
च म कि न मी मि री ॥

१ य न जा न क १ रु

॥ उं व रु स ल अ रु

धन घ र य ध भ न ॥

उं जि स्वा हा ॥ ॥

म उ न न क १ क य

या व क ॥ ॥ उं

७

यतिविद्वसमाधर्मा
विना १ अगहि अ
कमसमेरुव ॥

॥ धन धान ॥ ॥

दासिसेदलयकज
धर्म १ कृष्ण गन
कोषकणिगामर

॥ धन धन च वरु

कृष्ण १ अरु सध

गता अग्नि मरुधन

प्रमाने १ अकृ वजि

लसरा धा वर वज

गदय ॥ ॥ ॐ अ

धन लि १ कृ स च य

हि दय ॥ धा वर ॥

दय ॥ ॥ ॐ अ

१ आच्छा शुद्धा रुता

नृदि नाया च १ रु

॥ धन ज्ञा गा यज्ञा

कृष्ण यचि न सत्यो

१ ॐ मवद धं यर

धवने नन ॥ कृष्ण

धाय ल्या ननी ॥

वयु ज्ञा ॥ धन गच्छा

सदय ॥ ॥ ॐ

का वने १ जव रुत

विरावे ॥ ॥ रु

लन धिय ॥ धन य

मिश स्वादा ॥ ॥

दय ॥ धन क १ वि

धन अत्ता दमि

कीय स्वादा ॥ अर्क

सि॥ ॐ वज्रसमावा यखादा ॥ यक्षासि॥
ॐ वज्री अग्न्याय स्वाहा ॥ खदिलसि॥
ॐ वज्रवीक्षाय स्वाहा ॥ अयामागसि॥ ॐ
वज्रकृवाय स्वाहा ॥ उलसि॥ ॐ वज्र
जग्याय स्वाहा ॥ उइ वलसि॥ ॐ वज्रभ
निचवाय स्वाहा ॥ भम्यासि॥ ॐ वज्रवे
धिविनाय स्वाहा ॥ वज्रगत ॥ ॐ वज्र
नाय स्वाहा ॥ मिनाग नमि॥ ॐ वज्रवक्र
जोविंय स्वाहा ॥ वक्रगतसि॥ ॐ वज्र
मधूनय स्वाहा ॥ मधूसि॥ ॐ वज्रअस
कावाय स्वाहा ॥ अस्वसि॥ ॐ सर्वथापः
भमताय स्वाहा ॥ वेकथसि॥ ॐ वज्रसह
कावाय स्वाहा ॥ आमतसि॥ ॐ वज्रक
समभमावाय स्वाहा ॥ कदवसि॥ ॐ वज्र
सर्वगारुदाय स्वाहा ॥ गीराजसि॥ ॐ वज्र

रि ला रा काय स्वाहा ॥

म रु नाय स्वाहा ॥ म

यदि रा व जाय ॥ क

य स्वाहा ॥ दा हा स्वाहा ॥

दि हि ह या ॥ ॥

जा य ॥ स वे द रु न

दा क ॥ दा मा ॥ उं व

रु न ॥ उं व ज वे ग य

व ज य स म ना य स्वा

वि जा य स्वाहा ॥ स्वा न

उ म य स्वाहा ॥ मू उ म ॥

दा ॥ मा म ॥ उं व ज म

रा ॥ उं व ज क ना य र्वा

व ज रु वा मे य स्वाहा

र मा र्वा य स्वाहा ॥

ग रि ज सि ॥ उं व ज

द न सि ॥ उं व ज अ

स ॥ उं व ज व ज य र्वा

॥ ध न अ ता द न

उं स र्व पा प द रु न व

स्वाहा ॥ उ य सि य

ज य रु स्वाहा ॥ ज

स्वाहा ॥ ग हा ॥ उं

दा ॥ मा ध हा ॥ उं व ज

उ म ॥ उं व ज वि जा र्वा

उं व ज म हा व ना य र्वा

दा का ना य स्वाहा ॥ म्वा

दा ॥ क य रु ति ॥ उं

॥ रु ति ॥ उं व ज रु

य र्वा मा म ॥ उं व ज क

ॐ कू मा वा य स्वाहा
ग य स्वाहा ॥ मय ॥ ॐ
दा ॥ वा य ॥ ॐ सर्व
का ॥ ॐ सर्व क स य
का ॥ ॐ सर्व स य द
लि जा ॥ ॐ आ द य
का मि ॥ ॐ शि वा ल
न वि हि द का ॥ वि
य ॥ ध न य व य हा न
धायान मु ध न १ य ज
स्व वा क ड य के ॥
न य २ य ध य न ३ ॐ अ
॥ धालि ॥ म न न ॥
ह य ॥ ध न य ध मा ह
का ल स सि वा के ॥

॥ का ल ० ॥ ॐ व ज म
व ज स र्व वा ज य स्वा
ध सि धि य स्वा हा ॥ ॐ
स स ना य स्वा हा ॥ म य
य स्वा हा ॥ इ इ ज ध
न रु वा य स्वा हा ॥ ॐ
न दा न व य स्वा हा ॥ ॐ
हि स वा च स न स इ
ज जा ॥ ध न लि व १ य
॥ अ मि मि मा वि य
॥ ॐ व ज स ल आ धी
है रु ट २ स्वा हा ॥
वि वा के ड य ॥ वि हि
मि ॥ आ ह वि य ॥
॥ ॐ स्व सि क य वि

विजा रगाक्र म री
क्रमनि १५ हा वि
क शिद मी म री
स्मा मादिद न त्र वल
न १५ हा या उ स्मि
यदि या वि स्मा वि न
वाह ना य उ अं ह व
माह वि य न य २ स्
वा स्मा वा ॥ न स्म
॥ न ॥ ॥ न स्मा
स्मा १५ वा क म ल स्मा
वा का वा र्ग म १५ वा
सा य लि म १५ वा वि
वि स्म वि य वि ना म
स मा य न य १५ वि स्मा

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री
२ श्री सायनशुक्ल २ अ

रुचैदाददश्या
नरुदवमचिगि
रानमरेकेहादि

॥ पूजा जस्यानु
मरविद्य ॥ ऊधमा
माहावलिदिय ॥

॥ ॥ गगवलि
वायुमधुलधन
निलवे ॥ रसाप
क्रीडा विह्वामी
वगुठदददद
निरवयाद ॥ मलावपि
साहा ॥

॥ आका
वावासा ॥ ॥ उऊ
हा ॥ नूनचलु ॥ चडा
॥ रुपाव ॥ रिगवम
माह ॥ कोसा ॥ विष्णु

वक्रा ॥ ॥ ववगुध
नम ॥ सर्वरुग
दिहुरुटस्वाहा ॥

गि ॥ समये धावा
॥ ॥ धनलि

सगवगवहायक

ऊम येका लन
नारु धजा रुग
लिगु का लन ॥ ॥
गीउवमी ॥ अऊ
येवामर येवये
आचम नये किच
गवने ॥ पागाद्य ॥ प

मितागरुववायसा
थ ॥ कोध ॥ डलक
॥ सहाव ॥ वक्रा ॥
॥ वावा ॥ वूडा ॥ वा

पमाशाङ्ग

आ० मा० ॥ ॥ ५
सि० ॥ ५ ने हा ग ल य
धी व ज स लो य ॥ ५
सि द्धा ॥ लो का स य
ध व मि द्वा ग रु ज
मी नि व स वि दि बा
ग ली रु क णा ज लि
स स ग दा र्थ स रु र
स य न ग रु ध ॥
सी ति ह लो ॥ ये न रु
य चा द मा र्क गि लि
स वं रु च य व सि ॥
स ग म रु च लो ल य
वा पि डा ग रु च य
च नि श न रु ॥
न नै व ॥ गु न्या ल य
हा ल चै न्या ॥ व स थ

न यू जा ॥ वा स्या ॥ ५
के ॥ ॥ ५ न स
वा य वा स व रु ड गाः
ला क न य नो लो च ग
न य य ॥ ये क इ पि रु
॥ ने ति य जा नू य वि
वि रु य या म ना रु
के स य ॥ स लो ॥
॥ ये म नू य नी नि व
न य व ॥ स लो ल य रु
म डि य रु न ग लो रु
॥ य लि रु च स वी रु
वा पि रु ना वि वा सा ॥
ल रु रु य रु व रु रु
॥ ये म म धा ये म ल रु
द व ॥ ग रु रु य रु च वि
ग म रु म रु रु रु रु

सुचक्रकलाना॥
हवमंरि॥ चथास
वृक्षसू॥ महायथसू
यसं॥ मिहरेण
वसतिधाजाम॥ म
दिदं॥ कृतावया
वसंतिथिच॥

ले॥ पूषावलि॥ दि
क्रु॥ दंडक्रु॥ मि
सकलेश्वरगु॥ ॐ
सं॥ ॐ सुचक्र
रु॥ अ॥ यथेमने
मि॥ अ॥ यथेम
॥ ॐ ॥ नैरुगाधिय
लाकायितासंदं
दुठियनागा॥ वं

॥ यरुगकाचिगु
सुच॥ लं॥ ॥ यच
॥ महासमस्वानं॥
क्रासू॥ मिगासुरेच
हानविष्॥ दि॥ य
च॥ म॥ असम॥ ननि
॥ य॥ नासु॥ ग॥ धर्म
पैविधि॥ क॥ ला॥ गु
वच॥ द॥ मि॥ द॥ च॥ क॥ म
ला॥ न॥ व॥ दि॥ स॥ द॥ द॥ व
क्रु॥ उ॥ व॥ लि॥ वि॥ स॥ य॥
स॥ ॥ य॥ य॥ मि॥ ॥ य॥
वायु॥ ध॥ ना॥ मि॥ मि॥
मि॥ ॥ द॥ वा॥ स॥ ॥ उ॥ ध॥ व
॥ ॥ द॥ वा॥ स॥ म॥ ना॥
॥ ला॥ ग॥ क॥ ग॥ र॥ म॥ स

[illegible]

धनलिव ॥ मूना ॥
धकि जाययक ॥
निकाइय ॥ लिवा
॥ ॐ गगन
॥ ज. वलरससि ॥
आकिशकवा जाय
आकिपूसि कवस
॥ ॐ सकि ॥ ॐ
दा ॥ मयगुलि ॥ ॐ
ॐ गगन ॥ ॐ व
॥ गव गाल ॥ ॐ व
॥ का ॥ ॐ सय्य ॥
जावा जाय ॥ दानय

ययक ॥ ज. मानन
येव वा लमूजा ॥ मि
क ॥ च्या विदिइय
माधिरुल अस्वादा
ॐ गगन ॥ गगन वि
दानय ॥ अमूकसे
दा ॥ बाल नैको क
ॐ वड पिण कायस
वड ग अस्वादा ॥ य
नास्व वाव वाय स्वादा
ज वाय मस्वादा ॥ ज
निलं का ले नितय
गि अमूक स ॥ अमि

सस्तीतु स्वाहा॥ य
वा कालसा॥ उ धर्म
विद्युयसा वि धि सा
हा॥ च द यु लि ॥ उ
धू ॥ उ व जाला क दि
॥ उ व ज पि र का य
म धि ॥ उ व ज व सी क
॥ उ सर्व ल त्वा क वा
उ व ज वि ज य रु रु
उ व ज सर्व क र्म क लि
उ व ज म द ह स्वा हा
ल रु रु रु रु स्वा हा ॥
रु सर्व का उ मि दि

मा उ काल १ निना
ध र्म वा ज द रु रु स
कि यु लि क ल स्वा
व ज ध र्म वा स्वा हा ॥
स्वा हा ॥ अ ध र्म वा
स्वा हा ॥ य क र्म क ड
वा य स्वा हा ॥ क र्म
य स्वा हा ॥ स्व य ध र्म
रु स्वा हा ॥ सु सु सु ॥
य स्वा हा ॥ प्र य क र्म
॥ प्र य क र्म ॥ उ रु
मि द्वा य ॥ उ क र्म
म स्वा हा ॥ क र्म ॥

ॐ मय २ सर्वद वा न
ल **शील** ॥ ॐ व मि ड
दन ॥ ॐ उ य २ ह
हि ल न य द स स्वा हा
व च न य द स्वा हा ॥
य आ च य स्वा हा ॥ ॐ
ग सा ध य द्री मू स्ति
यू च ॥ ॐ क नि ध नि
स्वा हा ॥ ॐ क नि ल ॥
य स्वा हा ॥ स वि धि द
य स्वा हा ॥ रु ल ॥ ॐ व
॥ ॐ व ज म धू नि य
य ल ॥ ॐ इ च ॥

स्वा हा ॥ क रु लि क म
व ह स्वा हा ॥ ॐ क व
स्वा हा ॥ ॐ क व ॥ ॐ
॥ गि ल ल ॥ ॐ स
ॐ ग ध नि व ॥ ॐ स म
गु सि ॥ ॐ स व स जी
क ल ह रु ट स्वा हा ॥
स व सि धि क ल डि
ॐ स व आ ग य स म वा
क ॥ ॐ व ज शि रु वा
ल ॥ वि रु ल ॥ व य मि
स्वा हा ॥ क लि ॥ ॐ
ॐ स व डि न य र ग

सा हा ॥ वरु ॥ जि हा
य वा ॥ उं सर्व गि ल
व वि ॥ वरु हा च ॥
हा ॥ म ल च ॥ पि पि
व वा धि यु म म ना य
॥ म ॥ ग व सा हा ॥ उं
उ च ॥ उ उ लि ॥
शि वि य ॥ ॥
न सा ॥ ५ ॥ च वा न
क वे स व ध ॥ च क उ
न दि ॥ म स सि क
वा र्थ सा ध क ॥ अ था व
गु य द कि मी स सि

ल ॥ व व वा च ॥ गु म्
व न स्वा हा ॥ म ध ॥
उं सर्व स क न स्वा
लि ॥ गु धि ॥ उं स
स्वा हा ॥ जि ॥ रु जि ॥
स र्व न व धि स्वा हा ॥
॥ थ न लि ॥ आ रु
उं दान य ति ज रु
वि नू ध क ॥ वि नू य
का स ना थ ॥ पू ल य
न दि यी ॥ मा ग ला ॥
॥ सा ग्ध र्णी ॥ स र्व स ल
स्वा हा ॥ ॥ दि य

वमहावाजायावा॥

यमधासागलनि

दस्य॥ वृत्तंरुमिस्त

वास्तुसर्वगा॥ रुष्टूसा

गास्तुस्ति स्वास्त॥

॥ उं श्रीमानिग

वाजाभिवाज॥ श्रीरु

यव॥ अग्न्यग्न्यवर्ज

स्वीया॥ भियुग्निवा

विष्णुगु॥ सर्वग॥

सहज॥ रुस्तुस्ति

यास्त॥ ॥ उं श्री

आयु कामना थी॥

या लिङ्गयू लिङ्गानि
लिङ्गाधी मण्डलीरस
यद्युगाहृतिगुप्ता

॥ स कृद्वद्वयागा ॥

यूत्तमस्मिवायूनस्व
किं नानैवसुधाग
वल्लयनिर्गच्छन
स्ति ॥ श्रीमण्डलीरस
मिद्वद्वया विद्यने
यद्युगाहृतिगुप्ता

॥ ध्यानवद्वयागा ॥

एविधिवत्सका
लेकागवाहकसमा

के सर्वस्वस्तिकलिक
कृद्वद्वयागाहृतिगुप्ता
स्वस्तिकलिक ॥

॥ उं ॐ मयाक

रग्नवालत्वववास्ति
गगनगस्यालत्व
मग्नन ॥ ॐ हासुस्व
कृद्वद्वयागा ध्यानविषय
ॐ ल ॥ क कालका
स्वस्तिकलिक ॥

॥ उं यमुय ॐ

मिर्गसागमूदानुर्ग
मिर्गसागमूदानुर्ग

न धागनयाग ॥

॥ॐ अक्षो महा यूगलेयस्य ना॥ श्रीः
 नाच स्वाति इ गानि वैव ॥ अक्षु क्रिनिः
 या ॥ युगर्ष भगिना ॥ महायुष्माक्षुयणि
 यूगलेन ॥ एष मय प्रदाना रुवर्ष ॥ महा
 रुली वजानि ॥ अने स्तानि इ धाम् रुवर्ष
 ॥ अक्षुयनि वलसै यावत् ॥ एष न सग
 न ॥ श्री साया रुस्वनि ॥ श्री मरु श्री रकुल
 दवना मय श्री सा गावल ॥ श्री सा नम
 लि ॥ श्री वज्र तीवर्त ॥ वज्र वाचादि ॥ रुव
 इ ॥ नेवा सा च अम सा यो श्व ॥ दवदवि
 रु की लका य इ ता रु नि गृप्ता रस्व
 सि स्वा हा ॥ ॥ आगदवयाग ॥

॥ॐ अक्षुयसने म नासा इदं न डः

यसकमः गमससा
फामृताविगमः क
पूडागिः ॐ न्युनि
नसर्गेन ॐ हाया
२ वृगमआर्यावया
कायः ॐ गाहृति

॥ वृगदवयागा ॥

गदिहृदगतसः क
प्रसासकायहृदि
धीलेवर्गं न्युनि
नवलसर्गलत्नः ॐ
स्वस्ति ॥ धीमन् धी २
कीलकसः ॐ गाहृ

सनादि ॥ गायकिया
मानूदानिविदिमा
नवलसर्गलत्नः ॐ
स्वस्ति ॥ धीमन् धी
कर्मधलरुकीलः
गुह्यस्वस्ति स्वाहा ॥

॥ ॐ सहयजी ॥

यप्रदिनायूगवकि
विचिकिसेताच ॥
कर्मच ॐ न्युनि
नवलसर्गलत्नः ॐ
स्वस्ति ॥ धीमन् धी २
स्वस्ति ॥ धीमन् धी २

हा॥

॥ रिमसनाया ॥

या॥

॥ उं न वी

मययदाभिधा॥ सि
सवाग्वाधुवतानीदि
ज्ञानेना॥ धर्मिमेता
वजगतामर्गजस
मसुवविमिकगा
लरुगा॥ धर्मचिण
स्तिकविद्रुमि॥ धी
वियमृग्वाना॥ धर्म
गमदवदविरुक्त
क्रूरस्वस्तिस्वाहा॥

॥

॥ उं जोगेज

मयगितायकी॥ द

धिगमथाजिनोडिगा
रुगानावदिनेमिर्ग
यकथाधममययि
वी॥ समकललाग्य
य॥ रसुविधगावि
दिनाजोस॥ सर्वस्व
सगधीरवामृजद
माहातिका॥ नवइ
लकस्ययुगाहृगिण

॥ धिगमयाग

माहुमागस्मिनिव
सकसर्वधमातीस

च स्वस्ति क हि ॥
 स्वस्ति ॥ हलसि द्योत
 य गा हलसि म्र क
 ॥ हलसि द्योत
 ऊ जग गा सा गा ह
 य ॥ सर्वस त्वा ना ज
 धी मद् धी नृ नृ दे व
 त्मा रु क ला ल का य
 स्वस्ति त्वा दा ॥

॥ धनं ज्ञेयं ॥
यत्किंचित्कदाचन ॥
न जहति सत्त्वतः ॥
स ज्ञान ॥ ॐ नमः ॥

श्रीमद्गोपीबन्धुनन्दनस्य
 वरारक्षकीलकस्य
 स्वस्ति स्वाहा ॥

॥ ॐ नमः ॥

यन शुभिवरु अथ
वस्वस्तिक लिङ्ग नि
लिङ्ग विवर्जने वाः

॥ बुद्धिः शक्तिः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

धनदिगुवलि ॥३॥

बानकि ननकावि

॥ गुरुपूजा ॥ द

कना ॥ कमायन ॥
साहि क ॥ आशि
यातिव ॥ ॥
गिविय ॥ काल स्व
उं अग्नि आदि यदि
क व वाह नाय दान
पूर्व वग अग्निद्व
मुलेश मधुना भिष
स ॥ ज्ञान सत्व सत्त्व
रु व रु रु या ग मूल
ग ग सग्वाह गि स
न पुषि गाव डि ॥ रु
॥ सा स गा रु हि डि

स र्क आग ग न ॥ क
ग्वा स्वा न वि य ॥ ॥
सग्वाह गि ॥ आह
स्ति वा क ॥ ॥
णा वि न वा वि स्व ॥ रु व
प गि अ मू क स्य ग ग
गा या वि रा वा ॥ सम
गि ॥ स्व स लि च वि दे
न वि ग य ग ॥ रु व
स र्क क मि क म ग वा
मू हि म ल ॥ अ न
न व मि य क्ष य य ग
म पु रु ॥ रु गा वा मि

श
म

कलैयस्तु॥ यप्रति
वायिववायुमिवा
विष्णुवायुमहावत
व॥ चन्द्रशूर्यकल
येवेव॥ क्वालेक
जायुनागमध॥ गन्ध
यष्टि॥ हितादवा
न॥ महानाशयिता
मगिन॥ निर्माति
वायगमधुय॥ माति
सहाधुनिवासि
गासत्वा॥ हिताय
नसत्वाकाधुल

त्यम्बकदुता॥ दुताः
वृक्षसकमहम्बल
॥ कामदवदुलचेः
गहा॥ यथियाधध
नयस्तथा॥ धर्मना
वासवकिनवा॥ प्रा
॥ ध्यायिस्तानिवासि
येव॥ निर्माचवस
वगिदवायुधुध
चिलोकधुधु॥ १
न॥ चन्द्रद्विपस्ति
वगिधुधु॥ राग
गागुलतनादय॥

राऊनसखलोका
य॥ मृदिगारुमिहि
पियाजग॥ सर्वक
यायाकृतासदा॥ ध
इह्याथागमय॥ इ
यराकलिनिवासि
तायेच॥ येचसाधय
धनेनाध॥ स्वयाया
भावकाष्टेव॥ स्व
यनलकयथा॥
॥ पितरुहमासमा
ऊं आहं हं हं वेद
यथा किलिखिता॥ प
कियमिच्छेखाहा॥

॥ लतागुलनाद
सायच॥ विमनायाः
मृतिनिर्वासा॥ वाच
ममद्यानूमायच॥
लेगमायाष्टया॥
न॥ अरिमृष्टिहि
गिमरा॥ दधरुमि
पूगवाचय॥ मृदुद
प्रविकृतिनृजिनी
दवासूलमनृषाका
गुणानि॥ ऊं ऊं गमा
गानयनमृकसं॥
वयन॥ वयन॥ वयन॥
॥ धनयुजावासा

तुमि ॥ ॥ विष्णु

गच्छुर्ध्वं सर्वधर्माणां
त्वत्संयवे सयग ॥ इति
वत्तचित्तचित्तयग
उं ह्रीं च च च न न न
उं चित्तगच्छगच्छव

धनकलसववका
ॐ ति ह्रीं म वि धि

॥ ॐ ॥ ॥ ॐ ॥

२ धनं मासा रु मि ॥ मि
आय ॥ आमाय ग द ह्य
संयत्तं न व दिय यं च ग
हि ने ॥ आय स्वा न च
यं च ॥ अग्नि द दिय
॥ नि वा रु न स ग द

ऊन ॥ ॥ नारायण

गच्छुर्ध्वं ॥ समयस
न स ल स क नि स्त र
कु को ल व स र्व स ल
ल म रु ल क ला रु
ऊ म रु ल म ॥ ॥

य ॥ स्नान को काय ॥
कि वा स मा य ॥ ॐ

॥ ॐ ॥ ॥ ॐ ॥

आ रु मि ध थ ॥ स्वस्ति
य ॥ यं च ॥ मि स्व न
रु विय ॥ यं च स ग न
व क ॥ धू य या य ॥ उं
आ ध ना य आ व स ल
गा व चा स ग न ॥ अ

क वन ॥ या नार्ध स्वा
र्ध ज x उं अ कि नि x
उं प्र पि x ॥ पूजा वा
नि च र था नामो न्वे
नस्य पूषी दि स स्ताने
॥ धन धि न का य क ल
न इ का य व पि पि य
व स स इ का य धन गु
य च व त्र ग य ॥ उं धु
धन ॥ उं ग क क वि
ग सि धि सा ध य ॥ रा
हा य ग ध य रू म ध
ध x ॥ व नु ज न्या स ॥
पूजा उ नि ॥ उं स व श
ग क नू र म त्या द यि

न वा य ॥ उं उ स र्व व
उं ला सा x उं स मु x
सा उ नि ॥ उं अ कि
धु ला हा व प्र पि नि
स व सि धि य दा य क
हा य ॥ न म न द्रा व
॥ नि न न म ग स ॥
व न व का य म न्व स
न म व ज ग न x य न्य x
धि ना क र्पा ग म न
व ना ग नू म धा ल
व न ॥ उं स ग व धु
जिं ज ख गी क री
न क्कान व धन धु न्य
ग म नि क ल रू ॥

धननिष्ठासिद्धिः
वियदङ्गनागयको॥
धवल्लि॥ कुत्रकत्वा
माहनिःकोकायस
मूनकिचकः वाग
य॥ धनतात्रकाय॥
य॥ मध्यसकात्रध
दङ्गनसदि॥ यद्यि
ससाधि॥ धनमवा
ज्यशमाहायानका
मानस्य॥ रंगवीणी
स्वववङ्गवावादिद
भुक्तसावनमासा
मिक्ति॥ श्रुत्यिनिवा
गकात्रयि॥ धनवा

॥ शिङ्गयनिदङ्गनस
धनदिगवल्लि॥ वा
वल्लि॥ धनसिधत्त
कत्रतिचक॥ नक
तय॥ कर्त्तुयाकाग
य॥ धनवात्रवका
॥ यद्यस॥ गीधत्तवा
मस॥ इद॥ उक्तव
वायन॥ शिङ्गकास
व॥ स्वस्तिवाक॥ ऊरु
गीमत्तुगीत्रचकस
वदवि॥ अग्यसंयु
रुति॥ मावननि
रुति॥ रुद्रयात॥ मि
कृष्टदय॥ विद्वि

य. पंचधा जा लायक
य. प्राणकाय ॥ गीत
नव ॥ अथवा. जयज
वि. आरु नि वि य ॥
गीत रुं रुं रुं ॥ पंच
युद्धा वि य ॥ धनसि
रु नि वि य ॥ धनय
॥ मा सा रु नि स. सि
धि धू नि ॥ १०१० ॥
सर्वत १०१० नर
या. आदिग वा नरु
व ॥ विमि वृ. का ०
रु. विवि रु या ॥
दत्त रु न. थ व न द
रु या गसा. कृ द रु

॥ रु नाय व सा वि द
दि. क लि व व जा ह
य. ल व र ॥ यै व सा
धू जा. ना. रु ॥ धन
या ग. रु व रु ॥ धन
या यु सि थ ॥ सि का
मू. जा य य रु ॥
वा रु नि न ग न वि
१०१० ॥ १०१० ॥
आ. उ. मू. रु. धि. दि. नि
रु. सि. धू. दि. न. रु
रु. ग. व. गा. क. रु. रु
व. जा. वा. रु. धी. ध. न. रु
य. का ॥ रु. ना. न. वा. रु
॥ १०१० ॥ ॥